भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 21 अगस्त, 2025
जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: i) उत्तरी गुजरात में 23 अगस्त तक भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है। 25 अगस्त से गुजरात राज्य में भारी से बहुत भारी वर्षा का एक नया दौर शुरू हो सकता है।

ii) कोंकण और मध्य महाराष्ट्र में वर्षा में और कमी आने की संभावना है, 21 अगस्त को कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और 22-24 अगस्त के दौरान इन क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है।

iii) 22 अगस्त से उत्तर-पश्चिम भारत में वर्षा की गतिविधियों में वृद्धि की संभावना है।

iv) 25 अगस्त के आसपास बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम और उत्तरी ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिसके कारण 24 अगस्त से पूर्वी भारत और आसपास के क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 21 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- गुजरात राज्य और मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- कोंकण, मेघालय, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- पंजाब, हरियाणा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, बिहार, झारखंड, ओडिशा और अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- मानसून की द्रोणिका सक्रिय है और अपनी सामान्य स्थिति के निकट चल रही है, तथा इसका पश्चिमी छोर अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में है।
- मध्य क्षोभमंडल स्तर पर उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- मध्य क्षोभमंडल स्तर पर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उत्तरी ओडिशा तथा गंगीय पश्चिम बंगाल के आसपास के क्षेत्रों के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इसके प्रभाव से, 25 अगस्त के आसपास इसी क्षेत्र में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।
- मध्य क्षोभमंडल स्तर पर कच्छ और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

- ❖ निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तर पर भारतीय क्षेत्र के ऊपर अक्षांश 24°N के साथ लगभग एक अपरूपण क्षेत्र बना हुआ है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तर पर उत्तर-पूर्व असम और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ औसत समुद्र तल पर एक अपतटीय द्रोणिका गुजरात-महाराष्ट्र तटों के साथ चल रही है।है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पश्चिम भारत:

- **उत्तरी गुजरात में 23 अगस्त तक भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है। 25 अगस्त से गुजरात राज्य में भारी से बहुत भारी वर्षा का एक नया दौर शुरू हो सकता है।**
- अगले 7 दिनों के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, 25 और 26 अगस्त को कोंकण में और 21 अगस्त को मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में बहुत भारी वर्षा हो सकती है।
- अगले 5 दिनों के दौरान गुजरात तट पर और 21 और 22 अगस्त को महाराष्ट्र तट पर तेज़ सतही हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

पूर्व और मध्य भारत:

- अगले 7 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार में; 26 और 27 को विदर्भ; 21-26 अगस्त के दौरान ओडिशा, झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 21 और 22 को पश्चिमी मध्य प्रदेश, गंगीय पश्चिम बंगाल में; 21 को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल; 22 और 23 को झारखंड, बिहार; 22, 25 और 26 को ओडिशा और 25-27 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अगले 5 दिनों के दौरान क्षेत्र में गरज और बिजली के साथ अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 22-26 तारीख के दौरान जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा में; अगले 6-7 दिनों के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान; 21-25 अगस्त के दौरान उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; 21-24 तारीख के दौरान पूर्वी राजस्थान में; 23 को पंजाब, हरियाणा; 22-25 तारीख के दौरान उत्तराखंड; 23-26 तारीख के दौरान हिमाचल प्रदेश; 23 और 24 अगस्त को पश्चिमी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, उत्तराखंड और राजस्थान में आंधी और बिजली के साथ अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश में 5 दिनों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, जबकि 21 और 22 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मिजोरम, असम और मेघालय में बहुत भारी वर्षा हो सकती है।
- अगले 3 दिनों के दौरान कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 26 और 27 अगस्त को तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, केरल में तथा 25 और 26 अगस्त को तटीय आंध्र प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अगले 5 दिनों के दौरान तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और तेलंगाना में गरज और बिजली के साथ अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- **मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 21 अगस्त से 26 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएँ:**

अरब सागर:

- 21 से 26 अगस्त के दौरान मध्य अरब सागर और आसपास के दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 21 से 26 अगस्त के दौरान उत्तर-पूर्वी अरब सागर के कई हिस्सों में; 21 से 26 अगस्त के दौरान उत्तर-पश्चिमी अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 21 से 26 अगस्त के दौरान गुजरात के तटों के साथ और उसके आसपास; 21 और 22 अगस्त के दौरान महाराष्ट्र के तटों और 23 से 26 अगस्त के दौरान उत्तरी महाराष्ट्र के तटों पर; 21 से 26 अगस्त के दौरान सोमालिया, यमन, ओमान के तटों और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में न जाएँ। ।

बंगाल की खाड़ी:

- 21 से 26 अगस्त के दौरान बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्से के कुछ हिस्सों में; 21 अगस्त को ओडिशा के तटों पर और उसके आसपास, 22 और 23 अगस्त को उत्तरी ओडिशा में तथा 21 से 24 अगस्त के दौरान पश्चिम बंगाल और आसपास के क्षेत्रों में; 21, 22 और 25 अगस्त को कोमोरिन क्षेत्र के कुछ भागों में न जाएँ।

ii. 21 से 24 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **सौराष्ट्र और कच्छ:** मेंदरदा (जिला जूनागढ़) 28; केशोद (जिला जूनागढ़) 26; पोरबंदर (जिला पोरबंदर), ओखा (जिला देवभूमि द्वारका) 22 प्रत्येक; माणावदर (जिला जूनागढ़) 21; वंथली (जिला जूनागढ़) 20; कुटियाना (जिला पोरबंदर) 18; राणावाव (जिला पोरबंदर) 17; द्वारका (जिला देवभूमि द्वारका) 14; मांगरोल (जे) (जिला जूनागढ़), कलावड (जिला जामनगर) 12 प्रत्येक; मालिया (जिला जूनागढ़), गरियाधर (जिला भावनगर) 11 प्रत्येक; तलाला (जिला गिर सोमनाथ), जूनागढ़ (जिला जूनागढ़), जेसर (जिला भावनगर) 7 प्रत्येक;
- **गुजरात क्षेत्र:** गणदेवी (जिला नवसारी) 24; कपराडा (जिला वलसाड) 21; चिखली (जिला नवसारी) 20; डोलवन (जिला तापी) 17; नवसारी (जिला नवसारी) 16; जलालपोर (जिला नवसारी) 15; वापी (जिला वलसाड), सिलवासा (जिला दादरा और नगर हवेली), नवसारी एडब्ल्यूएस (जिला नवसारी), खेरगाम (जिला नवसारी) 14 प्रत्येक; पारडी (जिला वलसाड) 13; धरमपुर (जिला वलसाड), महुवा (जिला सूरत), व्यारा (जिला तापी), उमरगाम (जिला वलसाड), वलोद (जिला तापी), वंसदा (जिला नवसारी) 12 प्रत्येक; वीरपुर (जिला महीसागर), महुधा (जिला खेड़ा), लूनावाड़ा (जिला महीसागर), मांगरोल (जिला सूरत) 11 प्रत्येक; नानिपाल्सन (जिला वलसाड), बयाद एआरजी (जिला अरावली), उमरपाड़ा (जिला सूरत), दमन (जिला दमन), नेत्रंग (जिला भरूच), कामरेज (जिला सूरत) 10 प्रत्येक; वी.विद्यानगर एसआर (जिला आनंद), वानकबोरी (जिला महिसागर), मधबुन (जिला दादरा और नगर हवेली), वाघई (जिला डांग), खानवेल (जिला दादरा और नगर हवेली), दमन एफएमओ (जिला दमन), सोनगढ़ (जिला तापी), पलसाना (जिला सूरत) 9 प्रत्येक; बारडोली (जिला सूरत), बालासिनोर (जिला महीसागर), वलसाड (जिला वलसाड), बयाद (जिला अरावली), धनसुरा (जिला अरावली), डांग केवीके एडब्ल्यूएस (जिला डांग) 8 प्रत्येक; दमन एडब्ल्यूएस (जिला दमन), डांग (आहवा) (जिला डांग), उकाई (जिला सूरत), डेडियापाड़ा (जिला नर्मदा), खानपुर (जिला महीसागर) 7 प्रत्येक;
- **उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: बक्साद्वार (जिला अलीपुरद्वार) 19; सुभासिनी टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 13; धुपगुड़ी (जिला जलपाईगुड़ी), दलगांव टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 12 प्रत्येक; चेंगमारी/डायना (जिला जलपाईगुड़ी), कुमलाई टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 11 प्रत्येक; ऊदलाबारी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), तोरसा टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 10 प्रत्येक; चंपासारी (जिला दार्जिलिंग), हासीमारा (जिला अलीपुरद्वार), घाटिया टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), गुड होप टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), न्यूलैंड्स टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 9 प्रत्येक; बागडोगरा आईएएफ (जिला दार्जिलिंग), भटकवा टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), गैरकाटा टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), जीती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 8 प्रत्येक; बैंटगुरी टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), घीश (जिला जलपाईगुड़ी), लीश रिवर टी गार्डन (जिला जलपाईगुड़ी), मोगुलकाटा टी एस्टेट

(जिला जलपाईगुड़ी), बीच टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार), दिमा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार), कुमारग्राम टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 7 प्रत्येक;

- **मध्य महाराष्ट्र**: इगतपुरी (जिला नासिक) 18; ओझरखेड़ा - एफएमओ (जिला नासिक) 16; लोनावाला एआरजी (जिला पुणे), त्र्यंबकेश्वर (जिला नासिक) 14 प्रत्येक; पेठ (जिला नासिक) 13; राधानगरी (जिला कोल्हापुर) 12; महाबलेश्वर (जिला सतारा) 11; सुरगना (जिला नासिक), हरसुल - एफएमओ (जिला नासिक) 8 प्रत्येक; पन्हाला (जिला कोल्हापुर), गगनबावाड़ा (जिला कोल्हापुर) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश**: खुरई (जिला सागर) 14; दमोह-आव्स (जिला दमोह), नरसिंहपुर-आव्स (जिला नरसिंहपुर), रायपुरा (जिला पन्ना) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश**: मुंगावली (जिला अशोकनगर) 13; चंदेरी (जिला अशोकनगर) 11; रतलाम-एडब्ल्यूएस (जिला रतलाम), सुल्तानपुर (जिला रायसेन) 10 प्रत्येक; गंजबासौदा (जिला विदिशा) 9; तराना (जिला उज्जैन), बड़ौद (जिला आगर-मालवा) 8 प्रत्येक; अशोकनगर-एडब्ल्यूएस (जिला अशोकनगर), महिदपुर (जिला उज्जैन), धुंधडाका (जिला मंदसौर) 7 प्रत्येक;
- **हिमाचल प्रदेश**: ऊना (जिला ऊना) 13;
- **उत्तराखंड**: बनबसा (जिला चंपावत) 12; सामा (जिला बागेश्वर) 10;
- **कोंकण और गोवा**: जव्हार (जिला पालघर) 12; मोखेड़ा - एफएमओ (जिला पालघर), वाडा (जिला पालघर) 11 प्रत्येक; मुरबाद (जिला ठाणे) 10; माथेरान (जिला रायगढ़), पालघर एआरजी (जिला पालघर) 9 प्रत्येक; ठाणे (जिला ठाणे), तलसारी (जिला पालघर) 8 प्रत्येक; चिपलून (जिला रत्नागिरी), खालापुर (जिला रायगढ़) 7 प्रत्येक;
- **असम और मेघालय**: मासिनराम (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 12; मावकिरवाट (जिला दक्षिण पश्चिम खासी हिल्स) 10; विलियमनगर (जिला ईस्ट गारो हिल्स), चौलधोवाघाट (जिला लखीमपुर), चौलधुवाघाट एआरजी (जिला लखीमपुर) 8 प्रत्येक; चेरापूंजी (जिला पूर्वी खासी हिल्स), नोंगस्टीन (जिला पश्चिमी खासी हिल्स) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी राजस्थान**: शेरगढ़ एसआर (जिला बांसवाड़ा) 10; चिकाली एसआर (जिला डूंगरपुर), चाकसू (जिला जयपुर) 9 प्रत्येक; किशनगंज (जिला बारां) 8;
- **पंजाब**: नंगल (जिला रूपनगर) 10; तलवंडी भाई (जिला फिरोजपुर) 7;
- **तटीय कर्नाटक:** कैसल रॉक (जिला उत्तर कन्नड़) 8;
- **ओडिशा**: रीमल (जिला देवगढ़) 8;
- **अरुणाचल प्रदेश:** पासीघाट एपी (जिला पूर्वी सियांग) 7;
- **हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली**: ताजेवाला (जिला यमुनानगर) 7;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश:** राजापुर (जिला चित्रकूट) 7;
- **बिहार**: राजनगर (जिला मधुबनी) 7;
- **झारखंड**: खरसेमा (जिला सरायकेला-खरसावां) 7.

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	21- Aug	22- Aug	23- Aug	24- Aug	25- Aug	26- Aug	27- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	FWS	WS	WS	WS
7	ODISHA	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	FWS
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
9	BIHAR	FWS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	SCT
14	PUNJAB	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	WS	WS	SCT	FWS	SCT
17	WEST RAJASTHAN	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
26	VIDARBHA	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	SCT
29	TELANGANA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	WS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

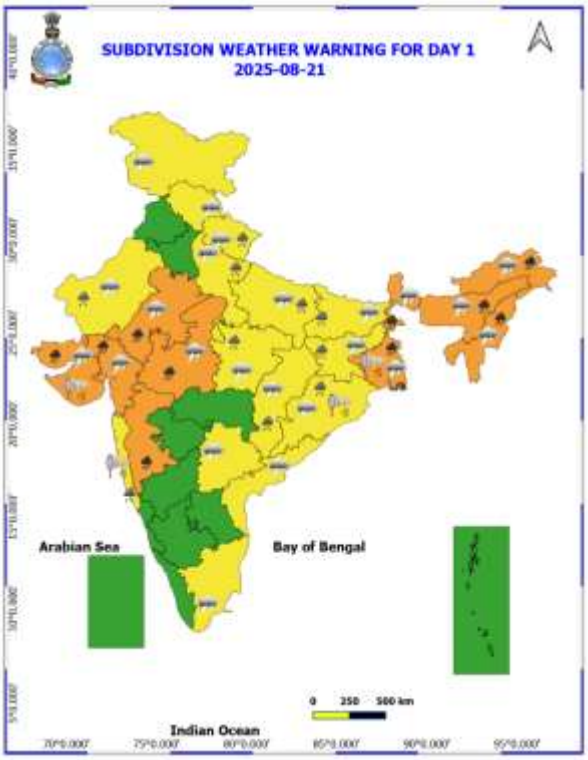
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-21
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

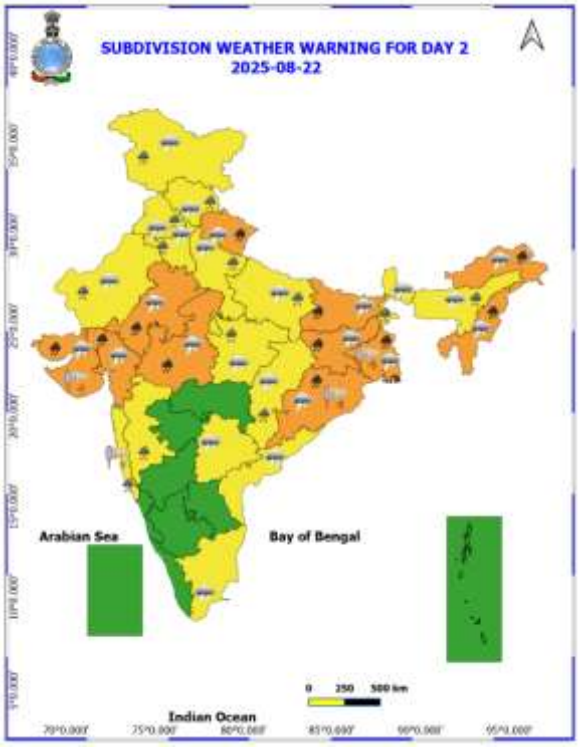
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-22
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

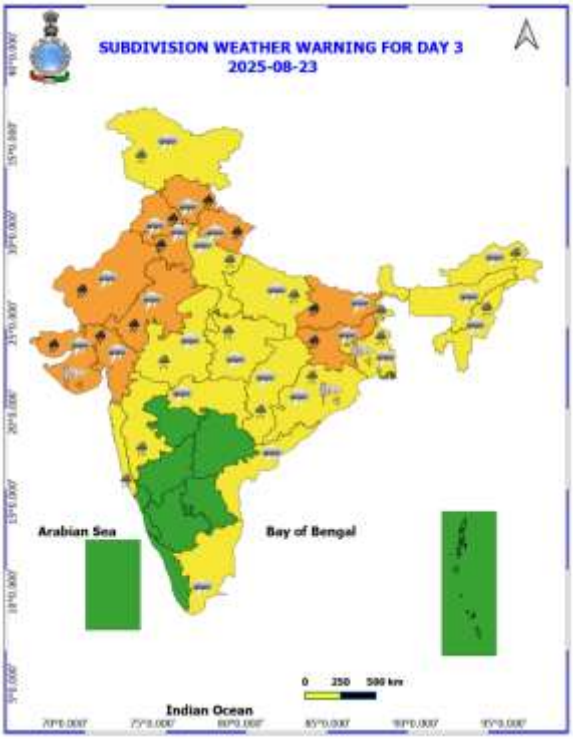
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-23
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

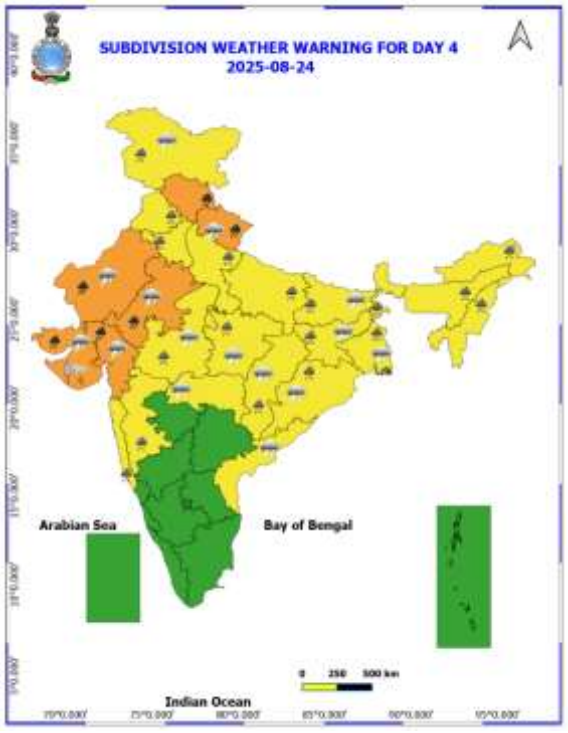

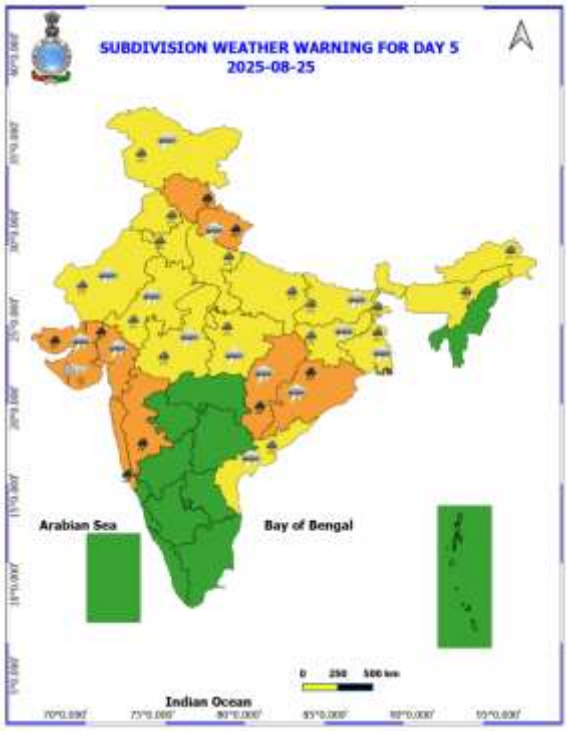

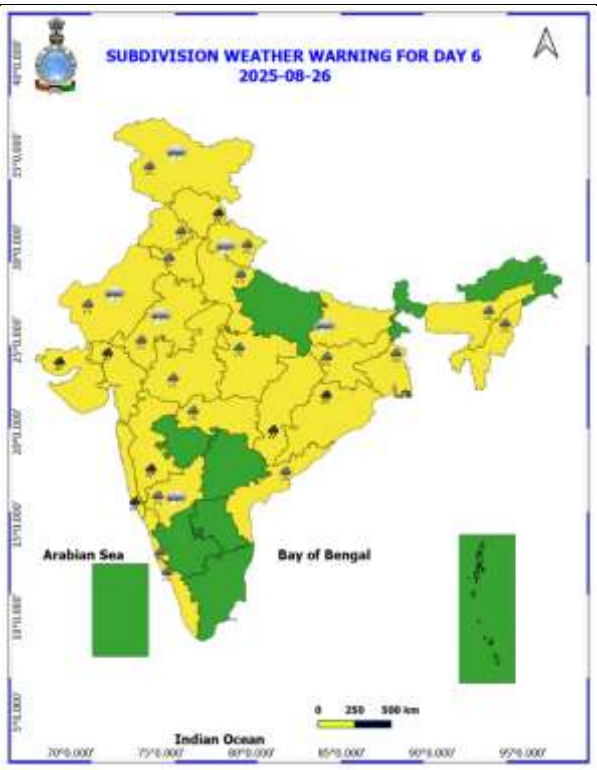

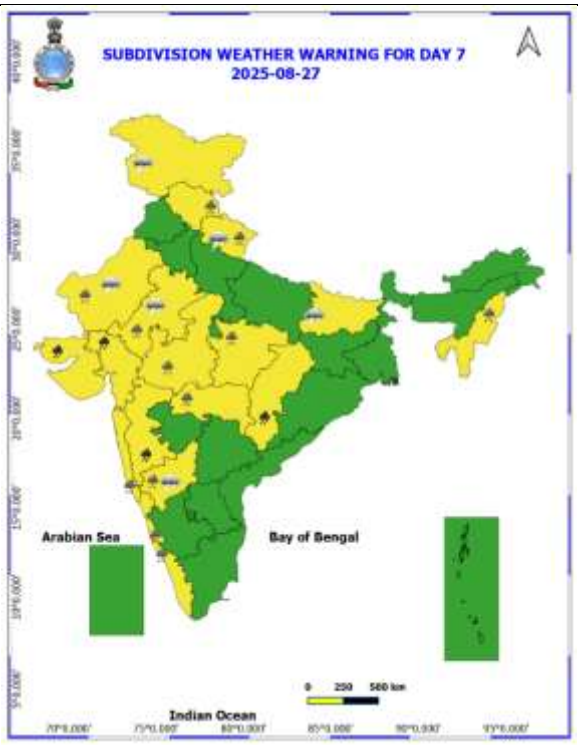

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

दिल्ली/एनसीआर में 21 अगस्त से 24 अगस्त 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं देखा गया। न्यूनतम तापमान 25-28 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 34-36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य था, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक था। उत्तर-पूर्वी हवाएँ प्रबल रहीं, जिनकी गति 22 किमी प्रति घंटा तक थी, और लोधी रोड स्टेशन पर पिछले 24 घंटों में दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में सबसे अधिक 0.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। आज सुबह के समय आम तौर पर बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्वी हवाएँ 20 किमी प्रति घंटा की गति के साथ प्रबल रहीं।

मौसम पूर्वानुमान:

21.08.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। प्रबल सतही हवाएँ दोपहर, शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति के साथ चलने की संभावना है।

22.08.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 0 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। प्रबल सतही हवाएँ सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 05-10 किमी प्रति घंटा की गति के साथ और दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 05-10 किमी प्रति घंटा की गति के साथ चलने की संभावना है। शाम और रात के समय प्रबल सतही हवाएँ दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति के साथ चलने की संभावना है।

23.08.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे और अलग-अलग स्थानों पर तीव्र बारिश की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। प्रबल सतही हवाएँ सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति के साथ और दोपहर, शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटा की गति के साथ चलने की संभावना है।

24.08.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह के समय मुख्य सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे की गति से चलेगी। दोपहर, शाम और रात के समय यह धीरे-धीरे पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे तक कम हो जाएगी।

बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ अगले 7 दिनों के दौरान गुजरात राज्य में; 25 और 26 को कोंकण और 21, 25-27 के दौरान मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में; 21 और 22 को पश्चिम मध्य प्रदेश, गंगा के तटीय पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मिजोरम, असम और मेघालय में; 21 को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में; 22 और 23 को झारखंड, बिहार में; 22, 25 और 26 को ओडिशा में और 25-27 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में; 21-24 के दौरान पूर्वी राजस्थान में; 23 को पंजाब, हरियाणा में; 22-25 के दौरान उत्तराखंड में; 23-26 के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 23 और 24 अगस्त को पश्चिम राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- ❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- ❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- ❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- ❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ गुजरात में, भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों, सब्जियों और नए फलों के पौधों को सहारा प्रदान करें। दक्षिण गुजरात भारी वर्षा क्षेत्र में धान, गन्ना, सब्जियों और कंद फसलों के खेतों से; दक्षिण गुजरात क्षेत्र में धान, कपास, गन्ना और अरहर के खेतों से; दक्षिण सौराष्ट्र क्षेत्र में मूंगफली, कपास, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल और अरहर के खेतों से; उत्तर सौराष्ट्र क्षेत्र में मूंगफली, कपास, तिल, उड़द और मूंग के खेतों से; भाल और तटीय क्षेत्र में धान, कपास, मूंग, उड़द, अरहर, बाजरा और सब्जियां के खेतों से; मध्य गुजरात क्षेत्र में धान, बाजरा, अरहर और कपास के खेतों से तथा उत्तर गुजरात क्षेत्र एवं उत्तर पश्चिम क्षेत्र में अरंडी, कपास, मूंगफली, बाजरा और तिल के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- ➢ महाराष्ट्र में, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों तथा कोंकण में धान के खेतों में 2.5 से 5 सेंटीमीटर जलस्तर बनाए रखते हुए खेतों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें। जलभराव से बचाव हेतु, कोंकण में रागी, हल्दी, मूंगफली एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से और मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में मक्का, मूंगफली, सोयाबीन एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु आवश्यक प्रावधान करें।
- ➢ मध्य प्रदेश में, सतपुड़ा पठार क्षेत्र में मक्का, सोयाबीन, कपास और सब्जियों के खेतों में; मालवा पठार क्षेत्र में सोयाबीन, मक्का और सब्जियों के खेतों में; मध्य नर्मदा घाटी क्षेत्र में धान, सोयाबीन, मक्का, गन्ना और सब्जियों के खेतों में; निमाड़ घाटी क्षेत्र में सोयाबीन, अरहर, कपास और सब्जियों के खेतों में; विंध्य पठार क्षेत्र में मक्का, सोयाबीन, उड़द, कपास और अरहर के खेतों में; झाबुआ पहाड़ी क्षेत्र में सोयाबीन, उड़द, मक्का, कपास और सब्जियों के खेतों में; क्यमोर पठार और सतपुड़ा पहाड़ी क्षेत्र में धान,

सोयाबीन, मक्का और सब्जियों के खेतों में तथा गिर्द क्षेत्र में धान, मक्का, सोयाबीन, मूंग, अरहर और सब्जियों के खेतों में पर्याप्त जल निकासी सुविधाएँ प्रदान करें।

- हिमाचल प्रदेश में, मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र में अदरक, हल्दी और मक्का के खेतों में तथा उप-पर्वतीय एवं निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें। उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र में, पके हुए टमाटरों की कटाई करें और मक्का, राजमा, सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- उत्तराखंड में, पहाड़ी क्षेत्र में सोयाबीन, मक्का, दालों, रागी, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों में; उप-आर्द्र उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में सनवा, रागी और मूंग के खेतों में तथा भाबर और तराई क्षेत्र में धान, मूंग, उड़द, गन्ना, मक्का, सोयाबीन, मूंगफली और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- पंजाब में, लहरदार मैदानी क्षेत्र में मिर्च के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें और वर्षा के तुरंत बाद रुके हुए वर्षा जल की निकासी करें। उप-पर्वतीय लहरदार क्षेत्र में गन्ना, मक्का, सोयाबीन और मूंग के खेतों में तथा मध्य मैदानी क्षेत्र में गन्ना, मक्का और कपास के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- हरियाणा में, पूर्वी क्षेत्र में गन्ना, कपास, मक्का, बाजरा और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- पूर्वी राजस्थान में, बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदानी क्षेत्र में बाजरा, तिल, उड़द और सब्जियों तथा अर्ध-शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र में मूंगफली, मूंग, मोठ, लोबिया और बाजरा की फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, पहाड़ी क्षेत्र में धान, अदरक एवं सब्ज़ियों के खेतों तथा फलों के बागानों से और तराई क्षेत्र में अमन धान एवं सब्ज़ियों (मिर्च, करेला, परवल, भिंडी, बैंगन आदि) के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें। तराई क्षेत्र में मिर्च के पौधों को भारी बारिश से बचाने हेतु उन्हें प्लास्टिक से ढक दें।
- बिहार में, दक्षिण बिहार जलोढ़ क्षेत्र में अरहर, हल्दी, शकरकंद, सूरजमुखी और मक्का जैसी खड़ी फसलों के साथ-साथ सब्जियों की नर्सरियों से उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- झारखंड में, पश्चिमी पठारी क्षेत्र में धान, मक्का, उड़द, मूंग, कंद फसलों और सब्जियों के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।
- असम में, बागवानी फसलों और सब्जी वर्गीय पौधों को सहारा प्रदान करें। पहाड़ी क्षेत्र में सभी परिपक्व सब्जियों (टमाटर, खीरा, बैंगन आदि) की जल्द से जल्द कटाई करें।
- मेघालय में अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों में उचित जल निकासी बनाए रखें। केले के पौधों को गिरने से बचाने हेतु सहारा प्रदान करें। धान के खेतों में रोपाई के बाद 2 से 3 सेंटीमीटर स्थिर जल की परत बनाए रखें।
- अरुणाचल प्रदेश में, धान के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और 5 से 7 सेंटीमीटर जलस्तर बनाए रखें। रागी, केला और सब्जियों में जल निकासी चैनल बनाए रखें। कटाव रोकने और अंकुरों को बह जाने से रोकने के लिए बाजरा के खेतों में मेड़ों को मजबूत करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

बाढ़ संबंधी मार्गदर्शन:

22-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	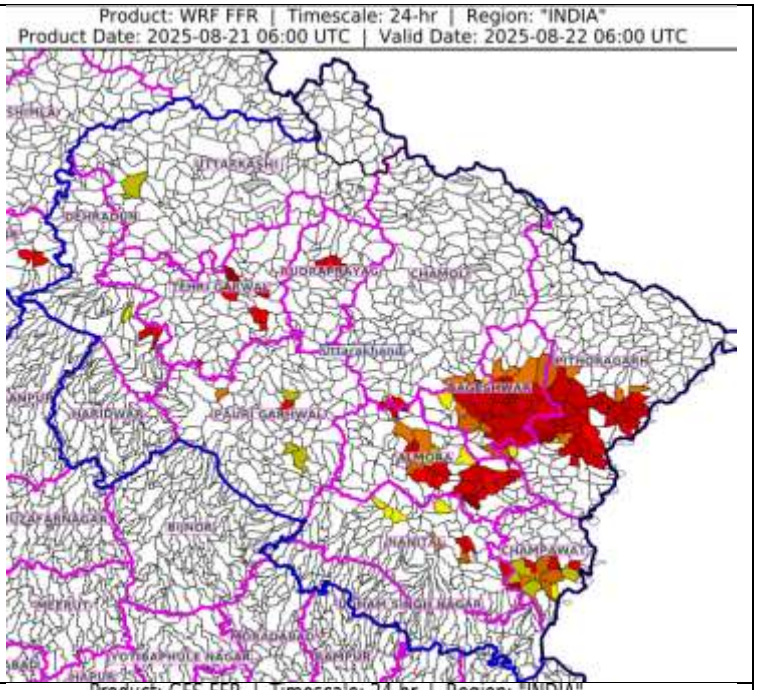
22-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। ओडिशा - बारागढ़, देवगढ़, ढेंकनाल, जाजापुर, केंदुझार, मयूरभंज, संबलपुर, सुबरनपुर और सुंदरगढ़ जिले। पश्चिम बंगाल के गंगा क्षेत्र - पूर्व मेदिनीपुर, उत्तर 24 परगना, पुरुलिया और दक्षिण 24 परगना जिले। झारखंड - गढ़वा, गुमला, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, रांची, सरायकेला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दिखाए गए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	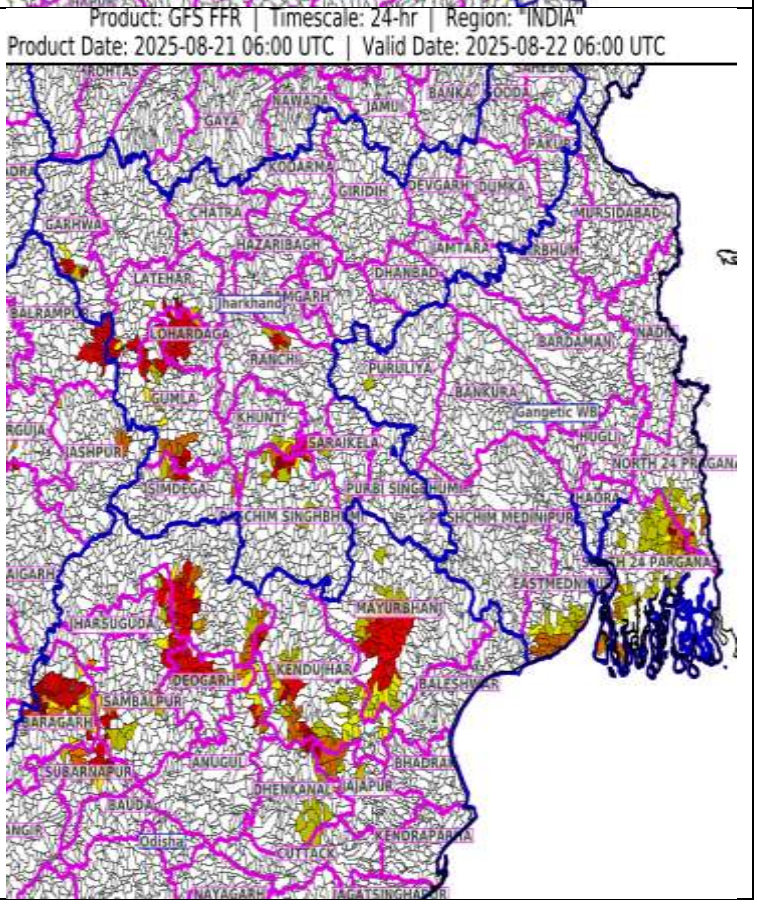

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

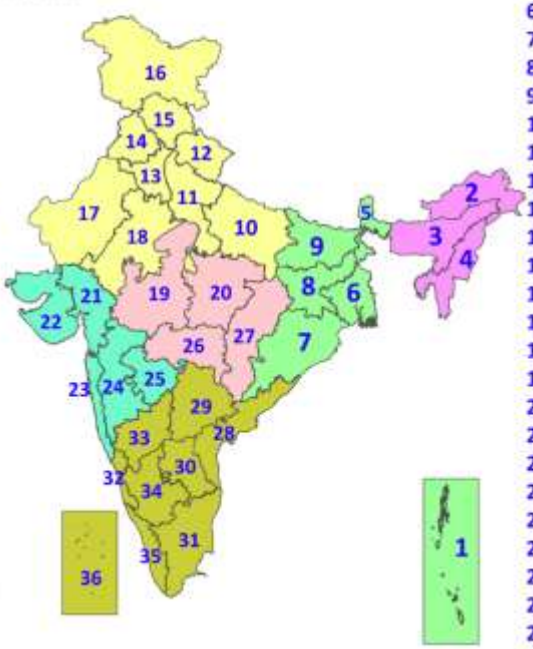

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)